शव सड़क पर रखकर किया प्रदर्शन

- दूषित पानी से मौत को प्रशासन ने नकारा, मौत की वजह अन्य बीमारी
- दो माह पहले बहू की मौत भी दूषित पानी से होने का दावा
- लोगों में आक्रोश, मुआवजे की मांग पर सड़क पर उतरे लोग

नवभारत न्यूज़

इंदौर. दूषित पानी से प्रभावित भागीरथपुरा में शनिवार को एक और बुजुर्ग की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने शव को बीच सडक् पर रखकर प्रदर्शन किया, क्योंकि मौत की वजह प्रशासन ने डायरिया मानने से इंकार कर दिया. प्रशासन ने बद्री की मौत की वजह दूसरी गंभीर बीमारी बताई, इससे परिजन नाराज हो गए. चक्काजाम से करीब डेढ़ घंटे तक यातायात प्रभावित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उन्हें समझाईश दी, इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया.

दरअसल, शुक्रवार को बद्री प्रसाद को उल्टी-दस्त की शिकायत के चलते अरविंदो अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उनकी मौत हो गई. बद्री प्रसाद के पुत्र शैलेंद्र ने बताया कि लगभग दो माह पहले उनकी पत्नी कंचन की भी मौत हो चुकी है. उस समय भी क्षेत्र में दूषित पानी की समस्या बनी हुई थी. परिवार और स्थानीय लोगों का कहना है कि कंचन की मौत भी गंदे पानी के कारण हुई थी, लेकिन तब मामले को गंभीरता से नहीं लिया. घटना की जानकारी मिलने पर नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे, पार्षद राजू भदौरिया सहित कांग्रेस के कई नेता मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार के समर्थन में धरने पर बैठ गए. प्रदर्शनकारियों ने परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की. लोगों का आरोप है कि बद्री प्रसाद की मौत को एक दिन बीत जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा. उनका आरोप था कि मौत के वास्तविक कारणों को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है.

एसडीएम के आश्वासन के बाद किया अंतिम संस्कार

स्थिति बिगड़ते देख मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया. कुछ देर बाद एसडीएम निधि वर्मा, एसीपी विनोद दीक्षित सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से चर्चा की. एसडीएम निधि वर्मा ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में शीघ्र स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कराई जाएगी. साथ ही बद्री प्रसाद और उनकी बहू कंचन की मौत के मामले में सीएमएचओ से रिपोर्ट लेकर शासन स्तर पर आर्थिक सहायता की प्रक्रिया की जाएगी. अधिकारियों के आश्वासन के बाद चक्काजाम समाप्त कराया गया. इसके बाद शव यात्रा मालवा मिल मुक्तिधाम के लिए रवाना की गई, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया.

किराये की कारों की हेराफेरी का खुलासा, शातिर ठग धराया

- तीन करोड़ से ज्यादा की 24 लग्जरी कार बरामद
- आरोपी गिरफ्तार, 16 वाहनों की अब भी तलाश

इंदौर. किराए पर ली गई कारों को गिरवी और आगे किराए पर देकर धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर आरोपी को अन्नपूर्णा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा की 24 कारें जब्त की हैं. पुलिस को अभी 16 अन्य कारों की तलाश है, जिनकी बरामदगी अभी शेष है.

थाना प्रभारी अजय नायर ने बताया कि मंगलवार को न्यू गोरी नगर में रहने वाले रोमेन्द्र सिंह भदौरिया ने अन्नपूर्णा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी. उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 में खरीदी गई उनकी मारुति स्विफ्ट कार अगस्त 2025 में केशरबाग रोड स्थित कार वॉशिंग सेंटर संचालक संजय कालरा को 11 माह के अनुबंध पर 24 हजार रुपये प्रतिमाह किराए पर दी थी. आरोपी ने केवल दो माह तक किराया दिया और बाद में भुगतान बंद कर दिया. जांच में सामने आया कि कार को किसी अन्य व्यक्ति के पास गिरवी रख दिया था. फरियादी की शिकायत पर अन्नपूर्णा थाने में मामला दर्ज कर प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की थी. इसके बाद सहायक पुलिस आयुक्त शिवेन्दु जोशी और थाना प्रभारी अन्नपूर्णा के नेतृत्व में आरोपी संजय कालरा निवासी सुदामा नगर को गिरफ्तार कर लिया. रोमेंद्र की रिपोर्ट पर मामला दर्ज होने के बाद करीब 40 अन्य कार मालिकों ने भी इसी तरह की धोखाधड़ी के आवेदन दिए हैं. पुलिस अब तक ऑडी, इनोवा क्रिस्टा, थार, स्कॉर्पियो-एन, फ्रोंक्स सहित 24 महंगी कारें जब्त कर चुकी है. आरोपी फिलहाल 29 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर है, जिससे शेष वाहनों की बरामदगी की जा रही है.

इस तरह करता था धोखाधड़ी...

आरोपी संजय कालरा कार मालिकों को अधिक किराए का झांसा देकर 11 माह का एग्रीमेंट करता था. इसके बाद उन्हीं दस्तावेजों के आधार पर वाहनों को अन्य व्यक्तियों के पास गिरवी या आगे किराए पर देकर मोटी रकम वसूलता था. शुरूआत में 2-3 माह तक वह नियमित किराया देता था, फिर भुगतान बंद कर देता था और वाहनों में लगे जीपीएस सिस्टम को भी निकाल देता था. किराया न मिलने पर जब कार मालिक आरोपी के चक्कर लगाते थे, तो वह 5-6 माह बाद 10 से 20 हजार रुपए देकर दोबारा भरोसे में ले लेता था. दबाव बढ़ने पर आरोपी कार को अवैध गतिविधियों में लगाने और कानूनी पचड़े में फंसाने की धमकी भी देता था. डर और मजबूरी में कई कार मालिक बिना पूरा किराया लिए समझौता कर वाहन वापस ले लेते थे, जबकि गिरवी या किराए से मिली रकम आरोपी हड़प लेता था.

ई-रिक्शा पलटने से घायल चालक की इलाज के दौरान मौत

- रिक्शा में सवार यात्री को हाथ और पसलियों में गंभीर चोटें

इंदौर. एबी रोड पर मांगलिया क्षेत्र में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया. हादसे में ई-रिक्शा चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसमें सवार एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया.

पुलिस के अनुसार दुर्घटना मांगलिया क्षेत्र में सांघी ब्रदर्स यार्ड के पास हुई. 51 वर्षीय ई-रिक्शा चालक मांगीलाल पिता सिद्धू सिंह निवासी कैलोद कांकड़, वाहन लेकर जा रहा था. इसी दौरान ई-रिक्शा बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया. हादसा इतना तेज था कि चालक और यात्री दोनों रिक्शा के नीचे दब गए. घायल यात्री रामस्वरूप ने पुलिस को बताया कि चालक ई-रिक्शा तेज गति और लापरवाही से चला रहा था. उसने कई बार रफ्तार कम करने को कहा, लेकिन चालक नहीं माना, इसी दौरान वाहन पलट गया. हादसे में रामस्वरूप को हाथ और पसलियों में गंभीर चोटें आई हैं. घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया. चालक के सिर में गंभीर चोट होने के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. क्षिप्रा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है.

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

इंदौर. सुपर कॉरिडोर पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत का मामला सामने आया है. मर्ग जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार हादसा गत 31 दिसंबर की शाम सुपर कॉरिडोर ब्रिज स्थित टीसीएस चौराहे के पास हुआ था, युवक सुपर कॉरिडोर से होकर जा रहा था, इसी दौरान पीछे से आए एक ट्रक ने उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी आज मौत हो गई. मृतक की पहचान भरत कुशवाह पिता कृष्णा कुशवाह के रूप में हुई है. पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक वाहन को तेज गति और लापरवाही से चला रहा था. मर्ग जांच के बाद ट्रक नम्बर एमपी 07 जीए 9735 के चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है.

अब रियल टाइम होगी केस प्रॉपर्टी की निगरानी

- गांधी नगर थाने में शुरू हुआ हाईटेक डिजिटल मालखाना

इंदौर. गांधी नगर थाने में डिजिटल मालखाना शुरू कर दिया गया है, जिससे जब्त माल की सुरक्षा, निगरानी और रिकॉर्ड प्रबंधन अब पूरी तरह डिजिटल और रियल-टाइम हो सकेगा.

डिजिटल इंडिया मिशन के तहत शुरू की गई इस व्यवस्था का शुभारंभ पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने किया. यह इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का पहला और मध्यप्रदेश पुलिस का दूसरा डिजिटल मालखाना है. इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध व मुख्यालय) राजेश कुमार सिंह, जोन-1 के पुलिस उपायुक्त कृष्ण लालचंदानी सहित शहर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे. पारंपरिक मालखाना प्रणाली की जगह अब केस प्रॉपर्टी का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित किया जाएगा. प्रत्येक जब्त सामग्री को यूनिक आईडी और क्यूआर कोड से जोड़ा जाएगा, जिससे माल का प्रकार, मात्रा, वर्तमान स्थिति और स्थान जैसी जानकारी तुरंत ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी. क्यूआर कोड आधारित स्मार्ट ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए यह भी दर्ज रहेगा कि किस अधिकारी ने कब और किस उद्देश्य से माल जमा किया या निकाला. नई व्यवस्था से केस प्रॉपर्टी के गुम होने, बदलने या छेड़छाड़ की आशंका लगभग समाप्त हो जाएगी. पुलिस का कहना है कि आने वाले समय में इस डिजिटल मालखाने को सीसीटीवी निगरानी और बायोमेट्रिक एक्सेस सिस्टम से भी जोड़ा जाएगा, जिससे सुरक्षा और मजबूत होगी.

जांच की गति बढ़ेगी और पुलिस के कार्यभार में भी कमी आएगी

अब डिजिटल मालखाने के जरिए कोर्ट, एफएसएल या विवेचना अधिकारी द्वारा मांगी गई सामग्री को कुछ ही सेकंड में ट्रेस कर उपलब्ध कराया जा सकेगा. इससे जांच की गति बढ़ेगी और पुलिस के कार्यभार में भी कमी आएगी. डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर स्वतः रिपोर्ट, स्टॉक रजिस्टर और लॉग हिस्ट्री तैयार होगी, जिससे निरीक्षण और ऑडिट प्रक्रिया भी अधिक सटीक और तेज हो सकेगी. पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यह प्रणाली स्मार्ट पुलिसिंग का प्रभावी उदाहरण है और इससे पुलिस-जनता के बीच विश्वास और अधिक मजबूत होगा.

प्लॉट के नाम पर सेना के दो अधिकारियों से 45.43 लाख की ठगी

- राया डेवलपर्स के नाम से की गई धोखाधड़ी

इंदौर. बड़गोंदा क्षेत्र में राया डेवलपर्स के नाम से प्लॉट बेचने का झांसा देकर सेना के दो वरिष्ठ अधिकारियों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है. पुलिस ने अलग-अलग दो मामलों में आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत प्रकरण दर्ज किया है.

पुलिस के मुताबिक, पहले मामले में आवेदक कर्नल वरुण वैघ, कमांडिंग ऑफिसर ने शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने बताया कि राया डेवलपर्स बेरछा रोड, महू के संचालक मोहम्मद अनीश ने फार्म हाउस प्रोजेक्ट में प्लॉट दिलाने के नाम पर 24 लाख 15 हजार रुपये ले लिए, लेकिन न तो प्लॉट का वैध कब्जा दिया और न ही रकम वापस की गई. दूसरे मामले में शासन की ओर से पुलिस ने लेफ्टिनेंट कर्नल हिमांशु सिंह, इंजीनियर प्लानिंग ऑफिसर की शिकायत पर केस दर्ज किया है.

प्लॉट पर अवैध कब्जे का मामला, दंपती पर केस दर्ज

इंदौर. लसूड़िया क्षेत्र स्थित सिंगापुर टाउनशिप फेस-02 में प्लॉट पर अवैध कब्जा कर बाउंड्रीवाल बनाने का मामला सामने आया है. पुलिस ने शिकायत के आधार पर दंपती के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. पुलिस के अनुसार फरियादी शिराज खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सिंगापुर टाउनशिप फेस-02 स्थित उनके प्लॉट नम्बर 223 पर चन्द्र प्रकाश गुप्ता और उनकी पत्नी पूजा गुप्ता ने बिना किसी अधिकार के कब्जा कर लिया. आरोप है कि आरोपियों ने प्लॉट के चारों ओर बाउंड्रीवाल बनाकर उस पर स्वयं को भू-स्वामी दर्शाते हुए बोर्ड भी लगा दिया और इससे अवैध लाभ अर्जित किया. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

एक नजर में

एडवांस टेक्नोलॉजी में संवर रहे आत्मनिर्भर भविष्य के सपने

महू. राष्ट्रीय मानव अधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग की प्रदेश सचिव डॉ. कनक पटेरिया के मार्गदर्शन में शासकीय नूतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिमन बाग इंदौर के कक्षा 10वीं से 12वीं तक के लगभग 120 विद्यार्थियों को एडवांस टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर, हर्निया खेड़ी का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया. यह भ्रमण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि अनेक सपनों को दिशा देने वाला भावनात्मक अनुभव बन गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य एसएन कोगे एवं डॉ. कनक पटेरिया द्वारा मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ. इसके पश्चात मास्टर ट्रेनर तुषार त्रिवेदी, प्रतीक वैद्य एवं विक्रम सिंह ने विद्यार्थियों को संस्थान में संचालित तकनीकी एवं औद्योगिक कोर्सों से परिचित कराया. कार्यशालाओं में आधुनिक मशीनों को देखकर विद्यार्थियों ने पहली बार महसूस किया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि हुनर के माध्यम से भी आत्मनिर्भर जीवन का निर्माण किया जा सकता है. एडवांस टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में संचालित समस्त शैक्षणिक, तकनीकी एवं कौशल विकास गतिविधियां संस्था के प्राचार्य अंशुल मिश्रा एवं एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर राकेश दांगी के अथक प्रयासों का ही परिणाम है. उनके निरंतर मार्गदर्शन, समर्पण और दूरदर्शी सोच के कारण ही यह संस्थान युवाओं के भविष्य को संवारने का सशक्त माध्यम बन सका है. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री यादव एवं प्रतिभा चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे.

एक शाम राष्ट्र के नाम का संगीतमय आयोजन आज

महू. अहिंसा पर्वत पातालपानी स्थित भूमि पर पर्यावरणविद् अशोक मेहता द्वारा देश में पहली बार निजी तौर से हमारे महान वीर सैनिकों की स्मृति में अमर जवान स्मारक बनाया गया है. स्मारक पर 25 जनवरी को दोपहर 4 से सायं 7 बजे तक एक शाम राष्ट्र के नाम संगीतमयी आयोजन रखा गया है. इसमें सैनिकों के सम्मान में देशभक्ति के गीतों की प्रस्तुति महू और इंदौर के कलाकारों द्वारा दी जाएगी. आयोजक राजेश बियानी और श्रेयांश मेहता ने बताया कि इस अवसर पर मालवा सम्मान समिति द्वारा विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा किए गए उनके उत्कृष्ट कार्य पर उत्कृष्ट सेवा सम्मान भी दिए जाएंगे. इस अवसर पर उन्होंने सभी देशप्रेमी जनता से उपस्थित होने की अपील की है.

किरायेदारों के विवाद में बुजुर्ग महिला पर किया हमला, सिर फूटा

इंदौर. हीरानगर क्षेत्र के आदर्श मौलिक नगर में किरायेदारों के आपसी विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आई बुजुर्ग महिला पर हमला करने का मामला सामने आया है. पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है.

पुलिस के अनुसार फरियादी विमला यादव ने शिकायत में बताया कि कल रात करीब 9 बजे उनके मकान नंबर 48 के सामने किराये से रहने वाले रोहित गौर, आकाश चौहान और उसका भाई प्रकाश चौहान दूसरे किरायेदार आयुष अहिरवार के साथ मारपीट कर रहे थे. वह जब बीच बचाव करने पहुंची तो तीनों ने आयुष को छोड़कर उन्हें गालियां देना शुरू कर दिया. आरोप है कि इसी दौरान प्रकाश चौहान ने हाथ में लिए लकड़ी के डंडे से उनके सिर पर हमला किया, जिससे बाईं ओर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा. मारपीट में आयुष अहिरवार को ठोड़ी के नीचे, बाएं पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में अंदरूनी चोटें आईं. शोर सुनकर फरियादी का बेटा विशाल मौके पर पहुंचा और बीच बचाव किया, इसके बाद आरोपी वहां से भाग गए. जाते समय आरोपियों ने दोबारा बीच में आने पर जान से मारने की धमकी दी.

वेटनरी कॉलेज के सामने फायरिंग करने वाले चार आरोपी दबोचे

- युवती से जुड़ा विवाद सुलझाने के लिए बातचीत के बहाने बुलाया था

इंदौर. महू के वेटनरी कॉलेज गेट के सामने हुई फायरिंग की सनसनीखेज घटना में पुलिस ने फरार चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. युवती से जुड़े विवाद को लेकर की गई इस वारदात में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ था. मामले में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को पकड़ा है.

महू-इंदौर रोड स्थित वेटनरी कॉलेज गेट के सामने लालबाग क्षेत्र के रहने वाले निक्की यादव और रजत यादव का ग्राम कोदरिया, थाना महू क्षेत्र के रहने वाले अतुल यादव, आकाश यादव, अभिषेक यादव और दीपक आंजना से युवती से जुड़ा विवाद चल रहा था. इसी विवाद को निपटाने के बहाने 17 जनवरी 2026 को आरोपियों ने पहले से साजिश रची थी. योजना के तहत निक्की और रजत अपने साथियों के साथ स्कूटी से मौके पर पहुंचे. बातचीत के दौरान गाली गलौज और मारपीट शुरू हो गई. विरोध करने पर आरोपियों ने अपने साथी से पिस्टल चलवा दी. फायरिंग में दीपक आंजना के जबड़े और पैर में गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए. घटना की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया था.

आरोपियों से पूछताछ की जा रही

प्रारंभिक जांच में हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराएं लगाई गईं, बाद में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गईं. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महू और एसडीओपी महू ग्रामीण के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी किशनगंज कुलदीप खत्री की टीम ने दबिश देकर फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों में निक्की उर्फ निखिल यादव (30) निवासी लालबाग, रजत उर्फ बबलू यादव (28) निवासी लालबाग लाइन, सुजल सोलंकी (22) निवासी त्रिवेणी कॉलोनी और अमित उर्फ चेमा खीची (19) निवासी त्रिवेणी कॉलोनी शामिल हैं.

एक नजर में — सार्वजनिक शालीनता पर उठ रहे सवाल, अशोभनीय व्यवहार और पहनावे के मामले आ रहे सामने

अत्यंत आपत्तिजनक पहनावे में सड़कों पर नजर आ रहीं युवतियां

इंदौर. नववर्ष के जश्न के बाद सामने आई कुछ तस्वीरों और वीडियो ने शहर की सामाजिक और सांस्कृतिक मर्यादाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है. पब पार्टियों के भीतर कथित रूप से आपत्तिजनक गतिविधियों के बाद अब सडक़ों पर भी अशोभनीय व्यवहार और पहनावे के मामले सामने आ रहे हैं. शहर की सडक़ों पर कुछ युवतियां दोपहिया वाहनों पर अथवा पैदल चलते समय अत्यंत आपत्तिजनक पहनावे में नजर आ रही हैं, जिससे सार्वजनिक शालीनता पर सवाल उठ रहे हैं.

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले यह सब सीमित आयोजनों तक था लेकिन अब यह प्रवृत्ति सार्वजनिक सडक़ों तक पहुंचती दिखाई दे रही है. व्यस्त मार्गों पर इस तरह के दृश्य सामने आने से परिवारों, महिलाओं और बुजुर्गों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है. समाजजनों का मानना है कि यह इंदौर की सांस्कृतिक पहचान पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है.

लोगों का आरोप है कि बिना किसी निगरानी के चल रही पब पार्टियां और देर रात की गतिविधियां इस स्थिति को बढ़ावा दे रही हैं. समाज में शर्मिंदगी के साथ-साथ नाराजगी का माहौल है. नागरिकों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि सार्वजनिक स्थलों पर मर्यादा भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और पब व नाइट इवेंट्स पर प्रभावी नियंत्रण लागू किया जाए.

यह बोले समाजजन...

यह एक गंभीर चिंतन का विषय है, जिस पर सामाजिक संगठनों को पुलिस प्रशासन के सहयोग के साथ कड़े कदम उठाना चाहिए, क्योंकि अंधकार की ओर जाते युवाओं को बचाना पहली प्राथमिकता है.

- अजहर शेख

देश के हर शहर की संस्कृति इस अश्लील पहनावे से विलुप्त होती जा रही है. देर रात तक सडक़ों पर युवतियों का घूमना चिंताजनक है. अब जरूरत है शासन-प्रशासन की सख्ती की.

- मनोज मालवीय

56 दुकान, पलासिया, विजय नगर जैसे क्षेत्र से परिवार के साथ रात को निकलने में सोचना पड़ता है. जब ऐसे दृश्य सामने आते हैं तो बच्चों के सामने माता-पिता को शर्मिंदगी उठानी पड़ती है.

- इंद्रजीत शर्मा